2nd Convocation

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

स्थापित- 2005

स्वाध्यायः परमं तपः

द्वितीय दीक्षांत समारोह

गुरुवार, 21 दिसम्बर, 2017

क्षण प्रतिक्षण कार्यक्रम

पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

द्वितीय दीक्षांत समारोह

21 दिसंबर, 2017

क्षण-प्रतिक्षण कार्यक्रम

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर
कोनी-बिरकोना मार्ग, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)

01. कुलसचिव द्वारा कुलपति की आज्ञा से द्वितीय दीक्षांत -समारोह के शुभारंभ की घोषणा।

(अ)

कुलसचिव :

मैं, डॉ. राजकुमार सचदेव, कुलसचिव पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर माननीय कुलपति महोदय से अनुरोध करता हूँ कि मुझे विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत-समारोह के शुभारंभ की घोषणा करने की अनुमति प्रदान करें।

(ब)

कुलपति :

अनुमति है।

(स)

कुलसचिव :

मैं, डॉ. राजकुमार सचदेव, कुलसचिव पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, छत्तीसगढ़, बिलासपुर माननीय कुलपति महोदय की अनुमति से इस विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत-समारोह के शुभारंभ की घोषणा करता हूँ।

02. कुलपति द्वारा स्नातको को अनुशासन दिया जाना।

अनुशासन

कुलपति

मैं तुम्हें इस प्रकार उपदेश देता हूँ :
सत्य बोलना।
अपने कर्तव्य का पालन करना।
स्वाध्याय करते रहना।।

उपाधि धारक

प्रतिज्ञा करता हूँ ।

कुलपति

सत्य की अवहेलना न करना।
अपने कर्तव्यों की अवहेलना न करना।
समाज कल्याण की अवहेलना न करना।
अपनी उन्नति की अवहेलना न करना।
ज्ञान की प्राप्ति और प्रसार की अवहेलना न करना।।

उपाधि धारक

प्रतिज्ञा करता हूँ।

कुलपति

अपनी माता और मातृभूमि को देवी मानना।
अपने पिता को देवता मानना।
अपने अध्यापक को देवता मानना।
अतिथि को देवता मानना।
जो अनिन्दित कर्म हैं। उनका आचरण करना, औरों का नहीं।।

उपाधि धारक

प्रतिज्ञा करता हूँ।

कुलपति

यही शिक्षा है, यही अनुशासन है।
यही शिक्षा का सिद्धांत है।
यही आदेश है।
तुम इसी प्रकार आचरण करना
अवश्य ही तुम इसी प्रकार से आचरण करना।
तुम्हारा मार्ग कल्याणमय हो।।

03. मंच संचालक द्वारा मानद उपाधि के अंतर्गत डी.लिट् की उपाधि देने के लिये डॉ. पुष्कर दुबे, को प्रस्तुतिकरण हेतु आमंत्रित किया जायेगा।

डी.लिट् मानद उपाधि

(अ)

माननीय कुलपति महोदय,

मैं, डॉ. पुष्कर दुबे, अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, विषय अर्थशास्त्र, आपके समक्ष प्रो. अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी को डी. लिट् की मानद उपाधि हेतु प्रस्तुत करता हूँ। प्रोफ़ेसर वाजपेयी उच्च शिक्षा क्षेत्र में महत्त्वपूर्ण योगदान के लिए जाने जाते हैं। आप वर्ष 2003 से 2007 तक अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय, रीवा (मध्यप्रदेश) में कुलपति, वर्ष 2003 से 2004 तक महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय, सतना (मध्य प्रदेश) में कुलपति के अतिरिक्त प्रभार पर, तथा वर्ष 2011 से 2017 तक आप दो बार हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला (हिमाचल प्रदेश) में कुलपति के पद पर कार्यरत रहे। आप सन् 2015 से 2017 तक एसोसिएशन ऑफ कॉमन वेल्थ यूनिवर्सिटी (ACU) लंदन एवं सन् 2015 से आस्ट्रेलिया-इंडिया एजुकेशन काउंसिल (AIEC) के सदस्य रहे। आप वर्तमान में नेशनल फाउंडेशन ऑफ कम्युनल हारमनी के सदस्य हैं। आपने वर्ष 2011-12 में भारतीय विश्वविद्यालय संघ में महासचिव के दायित्व का निर्वहन किया। वर्ष 2000 से 2003 तक भारतीय अर्थशास्त्र संघ के सचिव एवं कोषाध्यक्ष रहे। आप मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत केंद्रीय सुझाव समिति के सदस्य भी रहे हैं।

प्रशासकीय दायित्वों के निर्वहन के साथ-साथ आप शैक्षणिक क्षेत्रों में अग्रणी रहे हैं। प्रोफ़ेसर वाजपेयी जी द्वारा अनेक पुस्तकों का लेखन किया गया है, जिसमें **Economic Thoughts of Mahatma Gandhi, Women Empowerment in India and Reproductive Behaviour, Foreign Education Providers in India** आदि प्रमुख हैं। आपके निर्देशन में पी.एच.डी. के 25 शोधार्थियों ने अपना शोध कार्य पूर्ण किया है।

आपने विभिन्न शोध पत्रिकाओं के संरक्षक एवं मुख्य संपादक के दायित्वों का भी कुशलतापूर्वक निर्वहन किया है इनमें कौटिल्य वार्ता, **Madhya Pradesh Economic Journal, Indian Economic Journal, Indian Journal of Policy Studies, Himalayan Journal of Contemporary Research** इत्यादि प्रमुख हैं। आप विभिन्न शोध पत्रिकाओं में संपादकीय सुझाव

समिति के सदस्य भी हैं जिनमें Business Perspective, Birla Institute of Management Studies, NITTR Journal, एवं Business Review Pakistan प्रमुख हैं। आपने भारत और विदेशों में 300 से अधिक व्याख्यान दिए हैं ।

आपको विभिन्न पुरस्कारों से पुरस्कृत किया गया है। जिनमें विश्व हिंदू-सेवा सम्मान, चीन, एमिटी अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार, लखनऊ, विश्व शांति हेतु राधाकृष्णन अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार, राजमाता श्रीमती शांति देवी हिमांचल गौरव सम्मान, शिक्षा के उन्नयन हेतु मौलाना आजाद पुरस्कार, अकादमिक उत्कृष्टता पुरस्कार, एमिटी विश्वविद्यालय नोएडा आदि प्रमुख हैं।

वर्तमान में आप वरिष्ठ प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर (मध्य प्रदेश) में कार्यरत हैं।

उच्च-शिक्षा के क्षेत्र में आपके अमूल्य योगदान को दृष्टिगत रखते हुए माननीय कुलपति महोदय से मेरा निवेदन है कि प्रोफेसर अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी को पंडित सुंदरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर की डी. लिट् की मानद उपाधि प्रदान की जाए।

(ब)

कुलपति

इस विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से हम आज प्रो.अरुण दिवाकर नाथ वाजपेयी जी को पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर की डी.लिट् की मानद उपाधि प्रदान करते हैं, और अपेक्षा करते हैं कि ये अपने आचार एवं व्यवहार से इस उपाधि के गौरव की रक्षा करेंगे।

04. मंच संचालक द्वारा मानद उपाधि के अंतर्गत पी-एच.डी की उपाधि देने के लिये डॉ.रुचि त्रिपाठी को प्रस्तुतिकरण हेतु आमंत्रित किया जायेगा।

पी-एच.डी. मानद उपाधि

(अ)

माननीय कुलपति महोदय,

मैं, डॉ. रुचि त्रिपाठी अध्यक्ष, अध्ययन मंडल, विषय राजनीति विज्ञान, आप के समक्ष श्री बनवारी लाल अग्रवाल जी को पी-एच.डी. की मानद उपाधि हेतु प्रस्तुत करती हूँ। श्री बनवारी लाल अग्रवाल जी ने एम.एस-सी., बी.एड., एल.एल.बी. तथा फार्मेसिस्ट की शिक्षा प्राप्त की है।

श्री अग्रवाल जी ने सन् 1968 से 1972 तक छत्तीसगढ़ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बिलासपुर (छत्तीसगढ़) में व्याख्याता के पद पर कार्य किया तथा सन् 1975 में आपातकाल के दौरान जेल एवं भूमिगत आंदोलन में संलग्न रहकर महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी। श्री अग्रवाल जी ने सन् 1981 से 1983 तक दीनदयाल शोध संस्थान, नई दिल्ली के जय प्रभा ग्राम, जिला गोंडा, ग्रामोदय प्रकल्प में पूर्णकालिक कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया। सन् 1990 से 1992 तक अध्यक्ष, विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण कोरबा, जिला बिलासपुर (मध्यप्रदेश) के पद पर कार्य किया। छत्तीसगढ़ राज्य बनने के पश्चात् आपने छत्तीसगढ़ की विधान सभा में 'प्रथम विधानसभा उपाध्यक्ष' के दायित्व का निर्वहन किया। श्री अग्रवाल जी ने समाज सेवा को अपना कार्यक्षेत्र चुनते हुये ग्रामीण एवं आदिवासी विकास के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। सन् 1983 में श्री अग्रवाल जी गोंडा से वापस आने के बाद कोरबा जिला के कुछ सहयोगियों के साथ एक नया प्रकल्प प्रारंभ करने के कार्य में जुट गए। सन् 2000 में श्री अग्रवाल जी ने कोरबा मुख्यालय से 60 कि. मी. दूर दुर्गम वनवासी, पर्वतीय क्षेत्र में स्थित ग्राम देवपहरी में 'गौमुखी सेवाधाम, देवपहरी' की स्थापना की। इसका मुख्य उद्देश्य ग्रामीण एवं वनवासियों के सर्वांगीण उन्नति हेतु कार्य करना है। प्रकल्प का कार्य क्षेत्र विकास खण्ड कोरबा तथा पोड़ी-उपरोड़ा की 8 पंचायतों के 40 गाँव हैं जो कि 70 कि. मी. क्षेत्र में फैले हैं। श्री अग्रवाल जी

इस प्रकल्प के संरक्षक एवं प्रेरणास्त्रोत के रूप निरंतर कार्यरत हैं। यह 'गौमुखी सेवाधाम, देवपहरी' प्रकल्प राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कर चुका है। श्री अग्रवाल जी के प्रयास से आज लगभग दस हजार वनवासियों के बीच युगानुकूल ग्रामीण आर्थिक सामाजिक पुनर्रचना का कार्य संचालित हो रहा है।

माननीय कुलपति जी से मेरा निवेदन कि सामाजिक क्षेत्र में वनवासी समाज के विकास में योगदान के लिए श्री बनवारी लाल अग्रवाल जी को पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर की पी-एच.डी. की मानद उपाधि प्रदान की जाए।

(ब)

कुलपति

इस विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से हम श्री बनवारी लाल अग्रवाल जी को आज पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर की पी-एच.डी. की मानद उपाधि प्रदान करते हैं, और अपेक्षा करते हैं कि ये अपने आचार एवं व्यवहार से इस उपाधि के गौरव की रक्षा करेंगे

05. मंच संचालक द्वारा मानद उपाधि के अंतर्गत पी-एच.डी. की उपाधि देने के लिये डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति, को प्रस्तुतिकरण हेतु आमंत्रित किया जायेगा।

पी-एच.डी. मानद उपाधि

(अ)

माननीय कुलपति महोदय,

मैं, डॉ. जयपाल सिंह प्रजापति, अध्यक्ष, अध्ययन मण्डल, विषय हिंदी, तथा सदस्य विद्यापरिषद्, पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर आपके समक्ष श्री दीपक चन्द्राकर जी को पी-एच.डी. की मानद उपाधि हेतु प्रस्तुत करता हूँ।

श्री दीपक चन्द्राकर जी का जन्म 01 जुलाई, 1954 ग्राम - अर्जुन्दा, जिला-दुर्ग (छत्तीसगढ़) में हुआ। आपकी शिक्षा बी. कॉम. कल्याण महाविद्यालय, भिलाई नगर, एवं एम. कॉम. दुर्गा महाविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) में संपन्न हुई।

आप रंगमंच एवं लोकमंच के ख्यातिलब्ध लोक कलाकार हैं। 2 अक्टूबर, 1993 में स्थापित सुप्रसिद्ध सांस्कृतिक संस्था 'लोकरंग अरजुन्दा' जिला-दुर्ग के आप संस्थापक, संचालक एवं निर्देशक हैं। आपने दूरदर्शन, विडियो एवं फीचर फिल्म में अभिनय भी किया है। दिल्ली दूरदर्शन से प्रसारित 'लोरिक चंदा', टेली फिल्म 'हरेली' में नायक की भूमिका, रायपुर दूरदर्शन से प्रसारित छत्तीसगढ़ी टेली सिरियल 'मयारूक चंदा', एवं टेली फिल्म 'सँवरी', 'स्वराज', भोपाल दूरदर्शन से प्रसारित 'कसक',फीचर फिल्म एक 'नई सुबह', 'गम्मतिहा', 'गोपी-चंदा', टेली प्ले 'आखरी मौका' में चरित्र भूमिका, विडियो फिल्म 'जेठू अउ पुनिया' एवं 'सुन मन्टोरा' तथा विख्यात लोकनाट्य 'लोरिक चंदा' में आपने नायक की भूमिका निभायी है। सन् 1977-1979 तक सुप्रसिद्ध लोक सांस्कृतिक संस्था - 'सोनहा बिहान' एवं'लोक रंजनी' में आपने अभिनय किया है। रायपुर दूरदर्शन के प्रसिद्ध धारावाहिक 'स्वास्थ्य पत्रिका' एवं 'कल्याणी' में लगातार 7 वर्षों तक मुख्य सूत्रधार की भूमिका का निर्वाह आपने किया है। आपने देशभर में श्रेष्ठ लोकमंचीय प्रस्तुतियाँ दी हैं, इनमें स्वतंत्रता आंदोलन की 150 वीं वर्षगाँठ 2007 पर शहीदों पर केंद्रित लोकनाट्य 'आजादी की गाथा' का शृंखलाबद्ध मंचन छत्तीसगढ़ के 18 जिलों में किया है। आपने विभिन्न सांस्कृतिक महोत्सवों - भोरमदेव महोत्सव, राजिम महोत्सव, ज्वाजल्य

महोत्सव; जांजगीर-चाँपा, डोंगरगढ़ महोत्सव, लोकमड़ई महोत्सव, खैरागढ़ महोत्सव, शिवनाथ महोत्सव, नगपुरा महोत्सव, भिलाई लोककला महोत्सव, दल्ली राजहरा भिलाई महोत्सव, सिरपुर महोत्सव, शिवरीनारायण महोत्सव, चित्रकोट महोत्सव, दशहरा महोत्सव; जगदलपुर, नारायणपुर मेला महोत्सव, नर्मदा महोत्सव; गंडई, तथा लोककला परिषद् भोपाल द्वारा आयोजित 'नाचा' महोत्सव इत्यादि में मनमोहक प्रस्तुतियाँ दी हैं।

आपको छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ के बाहर अनेक सम्मान प्राप्त हुए हैं। आदिवासी लोक कला सम्मान, भोपाल (मध्य प्रदेश) 1994, राजीव ग्राम जायस सम्मान, अमेठी (उत्तरप्रदेश) 1994, सर्जना सांस्कृतिक संस्था सम्मान, भिलाई, 1997, दक्षिण मध्य सांस्कृतिक समन्वय सम्मान, नागपुर 2006, स्वामी आत्मानंद स्मृति सम्मान 2011, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) इत्यादि सहित भारत के माननीय राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोकसभा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल के करकमलों से विभिन्न अवसरों पर आप सम्मानित होते रहे हैं।

माननीय कुलपति महोदय से मेरा निवेदन है कि लोक कला के क्षेत्र में श्री दीपक चन्द्राकर जी के अमूल्य योगदान के लिए पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर की पी-एच. डी. की मानद् उपाधि प्रदान की जाए।

(ब)

कुलपति,

इस विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से हम श्री दीपक चन्द्राकर जी को आज पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ, बिलासपुर की पी-एच.डी. की मानद उपाधि प्रदान करते हैं, और अपेक्षा करते हैं कि ये अपने आचार एवं व्यवहार से इस उपाधि के गौरव की रक्षा करेंगे।

06. स्नातक स्नातकोत्तर डिप्लोमा एवं पत्रोपाधि परीक्षाएँ -

(अ)

कुलपति महोदय,

मैं आपके समक्ष स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा एवं पत्रोपाधि उपाधियों के लिए सत्र 2016-17 में जो छात्र विधिवत परीक्षित होकर उसके योग्य प्रमाणित किए गए हैं, मेरा निवेदन है कि उनकी अनुपस्थिति में उन्हें उपाधियाँ प्रदान करने की अनुमति दी जाएँ। इन कक्षाओं में उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों की कुल संख्या 10198 है।

क्र.	कक्षा / विषय का नाम	उपाधि
1.	बी.ए.	1110
2.	बी.एस-सी.	1003
3.	बी.कॉम	37
4.	एम.ए. सभी विषय	2009
5.	एम.एस-सी.	402
6.	पी.जी.डी.सी.ए.	474
7.	डी.सी.ए.	340
8.	बी.लिब् एण्ड आई.एस-सी.	784
9.	योग विज्ञान	1167
10.	बी.एड.	509
11.	छत्तीसगढ़ी भाषा एवं संस्कृति	49
12.	शिक्षा में डिप्लोमा	2189
13.	एल.एल.एम	08
14.	एम.एस.डब्ल्यू	117
	कुल	10198

(ब)

कुलपति,

इस विश्वविद्यालय के कुलपति के अधिकार से हम आदेश देते हैं कि इन्हें स्नातक एवं स्नातकोत्तर की उपाधियाँ प्रदान की जाएँ।

07. कुलसचिव द्वारा स्वर्णपदक हेतु प्रस्तुतीकरण

(अ)

कुलपति महोदय,

मैं, आपके समक्ष उन छात्र/छात्राओं को एक के बाद एक प्रस्तुत करता हूँ, जिन्होंने विश्वविद्यालय की 2016-17 की विभिन्न परीक्षाओं में प्रथम प्रयास में सर्वोच्च ग्रेड प्राप्त कर प्राविण्य-सूची में प्रथम ग्रेड प्राप्त किये हैं। मेरा निवेदन है, कि प्राविण्य-सूची में प्रथम स्थान प्राप्तकर्ताओं को पात्रता अनुसार स्वर्ण-पदक एवं उपाधि प्रदान किया जावे।

(ब)

कुलपति :

पात्रता अनुसार इन्हे स्वर्ण-पदक तथा प्राविण्य प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएँ।

(स)

कुलसचिव,

माननीय कुलपति जी, मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि महोदय, वि.वि. के स्वर्ण-पदक एवं दानदाताओं द्वारा प्रदत्त स्वर्ण-पदक के नाम इस प्रकार हैं -

क्र.	दानदाताओं के नाम	विषय
1.	स्व. श्री जगदीश कुमार अग्रवाल स्मृति स्वर्ण-पदक	बी.एड.
2.	स्व. श्री अनिरुद्ध कुमार दानी स्मृति स्वर्ण-पदक	बी.ए.
3.	स्व. श्री डी.पी.शुक्ला स्मृति स्वर्ण-पदक	एम.ए. राजनीति शास्त्र
4.	स्व. श्रीमती महेश्वरी देवी त्रिपाठी स्मृति स्वर्ण-पदक	वि.वि. के समस्त विषयों की समस्त छात्राओं में सर्वाधिक ग्रेड
5.	स्व. श्रीमती किशोरी देवी एवं स्व.श्री मुरलीधर पटेरिया स्मृति स्वर्ण-पदक	बी.कॉम.
6.	स्व. श्री श्रीराम शर्मा आचार्य, संस्थापक गायत्री परिवार हरिद्वार स्मृति स्वर्ण-पदक	एम.ए. संस्कृत
7.	स्व. डॉ. मनोहर रे स्मृति स्वर्ण-पदक	एम.एस-सी गणित
8.	स्व. श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति स्वर्ण-पदक	एम.ए. राजनीति शास्त्र
9.	स्व. श्रीमती मरवण देवी अग्रवाल स्मृति स्वर्ण-पदक	एम.ए. संस्कृत
10.	श्रीराम ज्वेलर्स स्वर्ण-पदक	पी.जी.डी.सी.ए.

इसके अतिरिक्त हर परीक्षा के लिए पं.सुन्दरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ द्वारा स्वर्ण पदक देने का प्रावधान है।

इन दोनों प्रकार के स्वर्ण-पदकों से अलंकृत किये जाने वाले छात्र / छात्राओं को स्वर्ण-पदक एवं उपाधि प्रदान करने हेतु मैं प्रस्तुत कर रहा हूँ:-

क्र.	छात्र / छात्रा का नाम		पदक की शर्तें		पदक का नाम
1.	उमाशंकर ब्रम्हभट्ट (3)		एम.ए. संस्कृत में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
				2	पं. श्रीराम शर्मा आचार्य स्मृति स्वर्ण-पदक
				3	स्व.श्रीमती मरवणदेवी अग्रवाल स्मृति स्वर्ण-पदक
2	नरेन्द्र कुमार राजवाड़े (3)		एम.ए.राजनीति शास्त्र में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
				2	स्व.डी.पी.शुक्ला स्मृति स्वर्ण-पदक
				3	स्व.श्री लखीराम अग्रवाल स्मृति स्वर्ण-पदक
3	मुंगावती चक्रधारी (3)	A	बी.एड. में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
				2	स्व.श्री जगदीश कुमार अग्रवाल स्मृति स्वर्ण-पदक
		B	2017 की परीक्षा में वि.वि. के समस्त विषयों की समस्त छात्राओं मे सर्वोच्च ग्रेड	3	स्व.श्रीमती महेश्वरी देवी त्रिपाठी स्मृति स्वर्ण-पदक
4.	भानु प्रताप जांगड़े (2)		बी.ए.में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
				2	स्व.श्री अनिरुद्ध कुमार दानी स्मृति स्वर्ण-पदक

5.	चिराग कुमार (2)	एम.एस.सी. गणित में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
			2	स्व.डॉ.मनोहर रे स्मृति स्वर्ण-पदक
6.	खेमराज पटेल (1)	बी.एस.सी.में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
7.	रईस फातमा सिद्धिकी (1)	एम.ए.अर्थ शास्त्र में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
8.	रीना महापात्रा (1)	एम.ए. हिंदी में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
9.	मोतीलाल सिदार (1)	एम.ए.अँग्रेज़ी साहित्य में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
10.	ओम प्रकाश सोनी (1)	एम.ए.इतिहास में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
11.	के.व्ही.के.बिन्दू (1)	एम.ए.समाज शास्त्र में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
12.	बिष्णु राम साहू (1)	बी.लिब् में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
13.	अंकिता गुप्ता (1)	पी.जी.डी.सी.ए. में सर्वोच्च ग्रेड	1	श्रीराम ज्वेलर्स स्वर्ण-पदक
14.	श्रुति थवाईत (1)	एम.एस.डब्ल्यू में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक
15.	अखिलेश मिश्रा (1)	एल.एल.एम. में सर्वोच्च ग्रेड	1	पं.सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) वि.वि. स्वर्ण-पदक

08. सत्र 2016-17 की विभिन्न परीक्षाओं मे प्रथम प्रयास में उच्चतर ग्रेड प्राप्त कर मेरिट में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रस्तुत किया जाना -

मै, डॉ. राजकुमार सचदेव, कुलसचिव, पं. सुन्दरलरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, आपके समक्ष उन छात्र छात्राओं को एक के बाद एक प्रस्तुत करता हूँ, जिन्होने विश्वविद्यालय की 2016-17 की विभिन्न परीक्षाओं में प्रथम प्रयास में उच्चतर ग्रेड प्राप्त कर प्राविण्य-सूची में द्वितीय स्थान प्राप्त किये हैं। माननीय अतिथियों एवं माननीय कुलपति जी से निवेदन है कि इन्हें उपाधि प्रदान करें।

क्र.	छात्र / छात्रा का नाम	विषय
1.	अमित पाटले	बी.ए.
2.	रश्मि नायक	बी.एस-सी
3.	रिंकी दाश	एम.ए. हिंदी
4.	राजेश कुमार मिश्रा	एम.ए. अँग्रेज़ी
5.	कु.कामिनी भानू	एम.ए. संस्कृत
6.	बबीता भेडिया	एम.ए.राजनीति विज्ञान
7.	विकास कुमार रायसागर	एम.ए. इतिहास
8.	सुभाष चंद्र सोनवानी	एम.ए. समाजशास्त्र
9.	रश्मि तिरिया	एम.ए.अर्थ शास्त्र
10.	पंकज कुमार	एम.एस-सी गणित
11.	सोहन लाल साहू	एल.एल.एम.
12.	देवेंद्र कुमार दुर्गम	एम.एस.डब्ल्यू
13.	प्रीति चंदवानी	बी.लिब् एण्ड आई.एस-सी
14.	मोहित कुमार पैंकरा	पी.जी.डी.सी.
15.	कामराज सोनी	बी.एड.

09. सत्र 2016-17 की विभिन्न परीक्षाओं में प्रथम प्रयास में उच्चतर ग्रेड प्राप्त कर मेरिट में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को प्रस्तुत किया जाना -

आपके समक्ष उन छात्र छात्राओं को एक के बाद एक प्रस्तुत करता हूँ, जिन्होंने विश्वविद्यालय की 2016-17 की विभिन्न परीक्षाओं में प्रथम प्रयास में उच्चतर ग्रेड प्राप्त कर प्राविण्य-सूची में तृतीय स्थान प्राप्त किये हैं। माननीय अतिथियों एवं माननीय कुलपति जी से निवेदन है कि इन्हें उपाधि प्रदान करें।

क्र.	छात्र / छात्रा का नाम	विषय
1.	शकुन्तला सहीस	बी.ए.
2.	प्रकाश कुमार चौधरी	बी.एस-सी
3.	सीता	एम.ए. हिंदी
4.	प्रियंका तिवारी	एम.ए. अँग्रेज़ी
5.	कामिनी कुमारी राठौर	एम.ए. संस्कृत
6.	सुनीता साहू	एम.ए. राजनीति शास्त्र
7.	प्रिया सिंह चंदेल	एम.ए. इतिहास
8.	विनोद कुमार	एम.ए. समाजशास्त्र
9.	पुरेन्द्र कुमार	एम.ए.अर्थ शास्त्र
10.	जया सिंह	एम.एस-सी गणित
11.	प्रियंका वर्मा	एल.एल.एम.
12.	रेखा यादव	एम.एस.डब्ल्यू
13.	पिंकी विरानी	बी.लिब् एण्ड आई.एस-सी
14.	अकांक्षा शर्मा	पी.जी.डी.सी.ए.
15.	शैलेष कुमार तिवारी	बी.एड.

10. कुलसचिव द्वारा कुलपति महोदय जी को विश्वविद्यालय का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा अध्यक्षीय भाषण हेतु आमंत्रित करना

कुलसचिव,

मैं, समारोह के अध्यक्ष माननीय कुलपति महोदय जी को विश्वविद्यालय-प्रतिवेदन प्रस्तुत करने तथा अध्यक्षीय-भाषण हेतु आमंत्रित करता हूँ।

माननीय कुलपति महोदय जी का
विश्वविद्यालय-प्रतिवेदन प्रस्तुतिकरण एवं अध्यक्षीय-भाषण

11. कुलसचिव द्वारा विशिष्ट अतिथि प्रो. मान सिंह परमार जी को संबोधन हेतु आमंत्रित करना

कुलसचिव,

मैं, समारोह के विशिष्ट अतिथि माननीय प्रो. मान सिंह परमार जी को संबोधन हेतु आमंत्रित करता हूँ।

माननीय प्रो. मानसिंह परमार जी का संबोधन

12. कुलसचिव द्वारा विशिष्ट अतिथि प्रो. गौरी दत्त शर्मा जी को संबोधन हेतु आमंत्रित करना

कुलसचिव,

मैं, समारोह के विशिष्ट अतिथि माननीय प्रो. गौरी दत्त शर्मा जी को संबोधन हेतु आमंत्रित करता हूँ।

माननीय प्रो. गौरी दत्त शर्मा जी का संबोधन

13. कुलसचिव द्वारा मुख्य अतिथि जी को दीक्षांत-भाषण हेतु आमंत्रित करना

कुलसचिव,

मैं, इस दीक्षांत-समारोह के मुख्य अतिथि माननीय आचार्य अरुण नाथ दिवाकर वाजपेयी जी को दीक्षांत-भाषण हेतु आमंत्रित करता हूँ।

मुख्य अतिथि माननीय आचार्य अरुण नाथ दिवाकर वाजपेयी जी का संबोधन

14. कुलसचिव द्वारा कुलपति से माननीय मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि को स्मृति-चिह्न भेंट करने हेतु निवेदन

मैं, कुलपति महोदय से अनुरोध करता हूँ कि कृपया माननीय अतिथियों को स्मृति-चिह्न भेंट करें।

कुलपति जी द्वारा माननीय मुख्य अतिथि एवं माननीय विशिष्ट अतिथि को स्मृति-चिह्न भेंट करना

15. कुलसचिव द्वारा धन्यवाद ज्ञापन एवं कुलपति जी से दीक्षांत-समारोह समापन की घोषणा की अनुमति प्राप्त करना

(अ)

कुलसचिव,

मैं, पं. सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय, की ओर से द्वितीय दीक्षांत-समारोह के मुख्य अतिथि आचार्य अरुण दिवाकर वाजपेयी नाथ जी की गरिमामय उपस्थिति एवं दीक्षांत-भाषण के लिए आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

विशिष्ट अतिथि के रुप मे उपस्थित माननीय प्रो. मान सिंह परमार जी एवं प्रो.गौरी दत्त शर्मा जी के प्रति आभार सहित धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

आमंत्रित उपस्थित सभी अभ्यागतों को हार्दिक धन्यवाद देता हूँ तथा आप सबकी गरिमामय उपस्थिति पर आभार व्यक्त करता हूँ। इलेक्ट्रॉनिक्स, प्रिंट मीडिया, जिला प्रशासन, सुरक्षा व्यवस्था के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ।

अंत में मैं, माननीय कुलपति महोदय से अनुरोध करता हूँ, कि दीक्षांत-समारोह समापन की घोषणा करने की अनुमति प्रदान करें।

(ब)

कुलपति,

अनुमति है।

16. कुलसचिव द्वारा दीक्षांत समारोह समापन की घोषणा

कुलसचिव,

मैं, माननीय कुलपति महोदय की आज्ञा से इस विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह के समापन की घोषणा करता हूँ।

17. समापन पर -

राष्ट्रगान

18. दीक्षांत शोभा यात्रा का समारोह दीक्षांत-समारोह स्थल से प्रस्थान।

❖❖❖❖❖